कल्पना कीजिये इक ऐसी दुनियाँ की जिसमें किसी को घर से बाहर खदेड़ा नहीं जाता और जीने के लिए कोई भागने को मजबूर नहीं हो |

एक ऐसी ही दुनियाँ बनाने के लिए संघर्ष कर रही है – अंतर्राष्ट्रीय साम्यवादी श्रमिक पार्टी [ICWP] | साम्यवादी समाज का आधारभूत सिद्धांत क्षमता के अनुसार सबको काम और आवश्यकता के अनुसार सबकी जरूरतों को पूरा करना है | और आप इसमें हमारी मदद कर सकते हैं |

संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, मध्य-पूर्व एशिया और उत्तरीय अफ्रीका से करीब 60,000,00 लोग पलायन चुके हैं जो कि द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद का सबसे बड़ा पलायन है |

इसके अलावा इस दौरान और भी बहुत सारी समस्याएं रही हैं | भारत पाकिस्तान के बटवारे में 40,000,00 लोगों घर छोड़ना पड़ा करीब 5,000,00 लोगों को जान से हाथ धोना पड़ा | इसराइल के बनाने में सैकड़ों हजारों फिलिस्तीनी लोगों को हमेशा के लिए उनके घरों से खदेड़ दिया गया | ऐसी ही और बहुत सारी घटनायें और भी हैं जैसे न्यू ऑरलियन्स, यूगोस्लाविया युद्ध, रवांडा नरसंहार, यूक्रेन में युद्ध, दक्षिण अफ्रीका में प्रायोजित विद्वेष |

जब तक पूंजीवाद है शरणार्थियों की समस्या का हल होना बहुत संभव नहीं है | उदाहरण के लिए वेनेजुएला की मुदुरो सरकार वहाँ रहने वाले लाखों कोलंबियाई लोगों को परेशान कर रही है और सैकड़ों लोगों का निर्वासन हो चुका है |
पूंजीवाद क्षेत्रीय शक्तियों के बीच निरंतर छोटे लेकिन शातिर युद्ध पैदा करता है । बड़े साम्राज्यवादी ताकतों के बीच चल रहे प्रॉक्सी युद्ध समयांतर में विश्व युद्ध में परिणत होते हैं । अधिक उत्पादन की समस्या बेरोजगारी , बेघर , और भुखमरी लाती है। और अंत में, सस्ते श्रम प्राप्त करने और विभाजित करने के लिए पूंजीवाद श्रमिक वर्ग को नस्लवाद, लैंगिकता, और विद्वेष से बांटता है ।
साम्यवाद में यह सब नहीं होगा । साम्यवाद के तहत, न तो पैसा रहेगा और ना ही मजदूरी प्रणाली। हर कोई सामूहिक रूप से क्षमता के अनुसार श्रम करेगा और सबको ज़रूरत के अनुसार सबकुछ मिलेगा भोजन और आश्रय सहित ।
मजदूरी प्रथा का उन्मूलन नस्लवाद और लैंगिकता के जड़ों को फाड़ देंगा । हालांकि, ये समस्याएं अपने आप गायब नहीं होगीं ।

नस्लवाद की जड़ों में पली शोषण व्यवस्था का खात्मा नये दरवाजे खोलेगा | और फिर साम्यवादी आन्दोलन पपुरानी व्यवस्था के नस्लवाद के बचे खुचे अवशेषों को मिटा देगा |

साम्यवादी दुनियाँ में ना तो कोई देश होगा ना सीमाएं ना कोई नागरिकता तब कोई गैरकानूनी भी नहीं होगा | दरअसल मजदूरों का कोई देश नहीं होता यह तो पूँजीवाद की उपज है | मजदूर सिर्फ दुनियाँ के मजदूरों पर भरोसा कर सकते हैं |

जैसे ही हम दुनियाँ के एक कोने में साम्यवाद की स्थापना कर पाते हैं, हम उन सबका स्वागत करेगे जो हमसे जुड़ना चाहते हैं | उनको और सभी की तरह काम, खाना, और घर मिलेगा और वो हमारे साथ मिल कर पूंजीवाद के खिलाफ लड़ेंगे |

वो बहुत सारे लोग जो आज शरणार्थी है साम्यवाद की इस लड़ाई का नेतृत्व करेंगे | सैकड़ों लाखों लोग, जो मक्सिको और मध्य और दक्षिण अमेरिका से पलायन कर सयुंक्त राष्ट्र अमेरिका में रह रहे हैं, में से कुछ पूजीवाद के खिलाफ साम्यवाद की इस लड़ाई में भाग ले रहे हैं |

पिछले कुछ हफ़्तों में शरणार्थी की समस्या यूरोपीय मालिकों की योजनाओं पर पानी फेर रही है | शरणार्थियों के प्रति संवेदना

दिखाते हुए जन आंदोलनों ने दुनियाँ को रास्ता दिखाया है |

मालिक कहते है कि साम्यवाद मानव स्वभाव के खिलाफ है लेकिन इन घटनाओं से एक बार फिर से उनको गलत साबित किया है | ऑस्ट्रिया और जर्मनी में हजारों लोगों ने शरणार्थियों का स्वागत किया | बहुत सारे लोग शरणार्थियों के लिए खाना, कपडे और खिलौने लेकर आए जिनको मालिकों की पुलिस ने भगाना शुरू कर दिया | शरणार्थी ट्रेनों को लाने के लिए रेलवे मजदूरों ने मुफ्त में अधिक काम किया | विएना की एक महिला ने 140 निजी मोटर वाहन भेजकर शरणार्थियों को हंगरी से ऑस्ट्रिया लाने में मदद की | आइसलैंड सरकार के सिर्फ 50 शरणार्थी लेने के विरोध में करीब 12 हज़ार लोगों स्वेच्छा से मदद करने के लिए आगे आये |

क्या ये सब लोग पैसे के लिए ये सब कर रहे हैं ? जी नहीं | ये सब लोग 'सबके लिए उनकी जरूरतों के हिसाब से' के सिद्धांत से प्रेरित हैं | साम्यवाद संभव है .. मगर इसके लिए बहुत मेहनत और संघर्ष करना पड़ेगा | इसके लिए जनवादी पार्टी के नेतृत्व में एक क्रांति की ज़रूरत है | और इसमें आप मदद कर सकते हैं |

शुरुवाती तौर पर आप इस पत्रिका को लोगों के बीच पंहुचा सकते हैं | अंतर्राष्ट्रीय साम्यवादी श्रमिक पार्टी [ICWP] इस पत्रिका को दुनियाँ भर में लोगों के बीच पहुँचाने की कोसिश कर रही है | http://icwpredflag.org/

इसके बाद आप हमारा पत्रक 'रेड फ्लैग' और घोषणापत्र "साम्यवाद के लिए जनता को लामबंद करें" पढ़े | और अगर आप सहमत है तो हम चाहेंगे कि आप हमारी पार्टी से जुड़े और पार्टी के लिए आर्थिक मदद भी दें | हम साथ साथ मिलकर बिना सीमाओं की एक दुनियाँ बना सकते है |